

डी. लिट् और पीएचडी के नए आर्डिनैस पर फैसला आज लखनऊ विश्वविद्यालय की एकेडमिक काउंसिल की बैठक

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में पिछले साल से बंद डी.लिट. पाठ्यक्रम पर बुधवार को अंतिम फैसला होगा। साथ ही पीएचडी के नए आर्डिनैस को भी एकेडमिक काउंसिल से पास कराएगा। इसके अलावा परास्नातक स्तर के नए सीबीसीएस पाठ्यक्रम को भी मंजूरी मिलने की उम्मीद है।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार की अध्यक्षता में होने वाली एकेडमिक काउंसिल की बैठक जूम एप पर होगी। लखनऊ में पिछले कई साल से डी.लिट् के दाखिले नहीं हो रहे हैं। इसको लेकर विवि प्रशासन ने समिति

परीक्षा और प्रमोशन पॉलिसी पर भी निर्णय की उम्मीद

विवि में प्रमोशन और परीक्षा प्रणाली पर विस्तृत गाइडलाइन पर भी बुधवार को मुहर लगेगी। काउंसिल से पास होने के बाद यह प्रस्ताव कार्य परिषद में रखा जाएगा। विवि में रविवार से ही प्रमोशन और परीक्षा के संबंध में गाइडलाइन पर मंथन हो रहा है, लेकिन अभी तक इस पर सहमति नहीं बन पाई है। विवि को 23 जुलाई को अपना प्रस्ताव शासन के पास भेजना है। ऐसे में विवि को किसी भी स्तर में बुधवार को अपनी गाइडलाइन तैयार करनी होगी।

का गठन किया था। समिति ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। रिपोर्ट के आधार पर डी.लिट के संचालन पर विचार किया जाएगा। इसी तरह लखनऊ ने पीएचडी का नया आर्डिनैस भी तैयार किया है। इस आर्डिनैस में इंटीग्रेटेड पीएचडी का विकल्प भी होगा। साथ ही पीएचडी आर्डिनैस में कई अन्य बदलाव भी किए जाने हैं। एकेडमिक

काउंसिल की बैठक में स्टार्टअप को अनुदान देने की पॉलिसी, ई-कंटेंट की पॉलिसी तय की जाएगी। साथ ही इंजीनियरिंग संकाय में संकायाध्यक्ष पद देने, योगा संकाय तथा इसके अधीन दो विभागों की नियुक्ति के प्रस्ताव तथा विभिन्न संकायों की फैकल्टी बोर्ड से प्रस्तावों को भी मंजूरी के लिए रखा जाएगा।

एलयू में आज तय होगी फाइनल परीक्षा की तारीख ! विद्या परिषद की बैठक में कई प्रस्तावों पर चर्चा

■ एनबीटी, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय आज फाइनल इयर के एजाम की तारीख घोषित कर सकता है। प्रमोट होने वाले स्टूडेंट्स के प्लान पर भी मुहर लग सकती है।

दरअसल, एलयू में शासन ने 23 जुलाई तक सभी राज्य विश्वविद्यालयों से फाइनल इयर की परीक्षा और प्रमोट होने वाले स्टूडेंट्स का प्लान मांगा था। इसे लेकर एलयू ने एक कमिटी गठित की थी, जिसकी रिपोर्ट पर बुधवार को होने वाली विद्या परिषद की बैठक में रखी जाएगी। बैठक में सभी विभागाध्यक्षों के अलग-अलग प्रस्तावों और नए सत्र से शुरू होने वाले कई कोर्सों पर भी चर्चा की जाएगी।

'ट्रेंड अकाउंटेंट तैयार करेगा एलयू'

लखनऊ विश्वविद्यालय प्रो. अवधेश त्रिपाठी को सोमवार को कॉमर्स विभाग का हेड नियुक्त किया गया। इनके पहले कॉमर्स विभाग के हेड प्रो. राम मिलन थे। कॉमर्स विभाग के प्रो. अवधेश त्रिपाठी ने बताया कि विभाग को आगे बढ़ाने के लिए पीजी में एमकॉम अकाउंटिंग का कोर्स शुरू करने पर विचार किया जा रहा है। इससे एलयू ट्रेंड अकाउंटेंट तैयार करेगा। यह दो साल का डिग्री कोर्स होगा, जिसमें 40 सीटों रखने का प्रस्ताव बनाया जा रहा है। इस कोर्स को करने वाले स्टूडेंट्स की कैपस प्लेसमेंट कराने की भी योजना बनाई जा रही है।

डा. अवधेश बने कॉमर्स विभाग के अध्यक्ष लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में वाणिज्य विभाग के प्रोफेसर डा. अवधेश त्रिपाठी को वाणिज्य विभाग का विभागाध्यक्ष पद का कार्यभार सौंपा गया है। कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय के निर्देश पर मंगलवार को डा. त्रिपाठी ने कार्यभार ग्रहण कर लिया है। उनके पास समय कॉलेज डेवलपमेंट काउंसिल का भी चार्ज है।

सामान्य विद्यार्थियों के लिए मेधावी करेंगे सोशल प्लेटफॉर्म पर खुद के बनाए नोट्स अपलोड

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के मेधावी छात्र परिषद ने कोरोना काल में सामान्य विद्यार्थियों की पढ़ाई को आसान बनाने के लिए खुद के बनाए नोट्स ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अपलोड करने का निर्णय लिया है। इसमें शिक्षकों के वीडियो लेक्चर भी उपलब्ध होंगे। लखनऊ विश्वविद्यालय ने सरकार के निर्देश के बाद अगले सितंबर में अपनी परीक्षाएं कराने का फैसला किया है। हालांकि परीक्षा सिर्फ अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों की होनी है। बाकी विद्यार्थियों को प्रमोट करने की योजना पर काम चल रहा है। काफी विद्यार्थी अभी तक पाठ्यक्रम पूरा न होने की बात कह रहे हैं। कुलपति के निर्देश पर शिक्षकों ने वेबसाइट पर ई-कंटेंट भी उपलब्ध कराया था, लेकिन काफी विद्यार्थियों ने ई-कंटेंट की गुणवत्ता पर सवाल उठाये थे। ऐसे में टॉपर्स काउंसिल ने विद्यार्थियों के लिए अपने नोट्स उपलब्ध कराने का फैसला किया है। ये कंटेंट मेधावी छात्र परिषद के फेसबुक पेज पर उपलब्ध होगा।

मेधावी छात्र परिषद के पिछले साल के अध्यक्ष दुर्गेश त्रिपाठी ने बताया कि सभी टॉपर्स उनके इस प्रस्ताव से खुश हैं तथा अपने नोट्स को प्रेजेंटेशन की तरह तैयार भी कर रहे हैं। पेज पर इस कंटेंट के साथ ही संबंधित विषय के वीडियो लेक्चर का लिंक भी दिया जाएगा। इस तरह से जो विद्यार्थी नोट्स को समझ नहीं पा रहे हों उन्हें लेक्चर से मदद मिल जाएगी।

प्रो. त्रिपाठी बने कॉमर्स विभागाध्यक्ष



लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो. अवधेश त्रिपाठी अब कॉमर्स विभाग के विभागाध्यक्ष की जिम्मेदारी निभाएंगे। विभागाध्यक्ष के तौर पर प्रो. राम मिलन का कार्यकाल पूरा होने के बाद प्रो. त्रिपाठी को नई जिम्मेदारी सौंपी है। प्रो. त्रिपाठी इस समय कॉलेज डेवलपमेंट काउंसिल के डीन भी हैं।

काउंसिल में होते हैं सभी कक्षाओं के टॉपर

लखनऊ में पिछले दो शैक्षिक सत्र से मेधावी छात्र परिषद का गठन किया गया है। यह परिषद विभिन्न कक्षाओं के टॉपर्स को शामिल करते हुए बनाई जाती है। इस तरह से काउंसिल में काफी संख्या में सदस्य होते हैं। इन टॉपर्स के बीच से अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और महामंत्री आदि का चयन किया जाता है। लखनऊ की सांस्कृतिक और शैक्षणिक गतिविधियों में इस काउंसिल ने काफी सहयोग किया है। पूर्व के वर्षों के ज्यादातर टॉपर्स अपने नोट्स साझा करने के लिए तैयार हैं। इस तरह से विद्यार्थियों को पढ़ाई में सहूलियत होगी।

प्रमोशन और परीक्षा का फार्मूला आज तय होगा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्रों के प्रमोशन से लेकर परीक्षा करने के फार्मूले तक पर बुधवार को मुहर लगाई जाएगी। विश्वविद्यालय की विद्या परिषद की बैठक का अवरोधन नहीं होना है। उम्मीद है कि विवि की ओर से परीक्षा की तिथि से लेकर प्रमोशन और परीक्षा का फार्मूला तक तय होकर आ सकता है। बैठक में नए पीएचडी आर्डिनैस से लेकर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों तक पर फैसला होगा।

विवि में शुरू होगा एम.कॉम एकाउंटेंट कोर्स

लखनऊ | बड़ी संख्या में

लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग में अब एम.कॉम एकाउंटेंट का पाठ्यक्रम शुरू किया जाएगा। छात्रों को एकाउंटेंट का कार्य करने के लिए व्यावहारिक ज्ञान दिया जाएगा। कंप्यूटर, कंप्यूटर लेब के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके लिए विभाग प्रमुख केदार बन रहा है।

विभाग के नर्सिगुस्त विभागाध्यक्ष प्रो. अवधेश त्रिपाठी ने बताया कि

प्रो. अवधेश त्रिपाठी बने विभागाध्यक्ष

लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो. अवधेश त्रिपाठी को वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनका पद अनुसर प्रो. राम मिलन का कार्यकाल पूरा होने पर प्रो. अवधेश त्रिपाठी को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। कहा कि यह अपने तीन वर्षों के अवकाश के बाद इस पद की जिम्मेदारी संभालेंगे।

एम.कॉम एकाउंटेंट पाठ्यक्रम के

माध्यम से छात्रों को उद्योग की बदलते जमाने के हिसाब से लेकर किफाई के दो साल का डिग्री कोर्स होगा इसमें 40 सीटों रखने का प्रस्ताव बनाया जा रहा है। प्रत्यक्ष किफाई कर रहे हैं कि इसी सत्र से इसे लागू कर सकेंगे। यदि संभव नहीं हुआ तो अगले शैक्षिक सत्र से इसका प्रवेश लिए जाएगी।